कानपुर, मंगलवार, 13 जनवरी, 2026 प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
वर्षः 03, अंकः 16, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड बांग्लादेश में एक और युवक की हत्या ...>Pg12

आईजीआरएस रैंकः 35 विभागों को नोटिस... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

एनुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी चीफ उपेन्द्र द्विवेदी का बड़ा बयान

ऑपरेशन 'सिंदूर' जारी

पाकिस्तान ने कोई हरकत की तो...

सेना प्रमुख बोले, सभी यूनिट हाई अलर्ट पर, जमीनी हालात की 24×7 निगरानी

- 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरी मजबूती और सतर्कता के साथ जारी
- राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता- सेना प्रमुख
- सभी सैन्य यूनिट्स और फॉर्मेशन हाई अलर्ट पर
- जमीनी हालात पर 24×7 कड़ी निगरानी
- ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां गोपनीय
- जवानों के साहस, मनोबल और अनुशासन की सराहना
- हर चुनौती से निपटने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह तैयार

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को आयोजित एनुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा और स्पष्ट बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पूरी रणनीतिक मजबूती के साथ जारी है और भारतीय सेना हर हाल में इस मिशन को उसके निर्धारित उद्देश्य तक पहुंचाएगी।

आर्मी चीफ ने कहा कि यह ऑपरेशन सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, इसलिए सेना किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरत रही है। उन्होंने बताया कि सभी सैन्य फॉर्मेशन और यूनिट्स को हाई अलर्ट मोड में रखा गया है और जमीनी हालात पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी की जा रही है।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन से संबंधित कई जानकारियां सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं, लेकिन उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त किया कि सेना पूरी तरह स्थिति पर नियंत्रण बनाए हुए है और सभी संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सेना प्रमुख ने जवानों के साहस, समर्पण और पेशेवर दक्षता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

आर्मी चीफ ने यह भी कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए सेना लगातार अपनी रणनीतियों की समीक्षा कर रही है और जरूरत पड़ने पर तत्काल निर्णय लेने में पूरी तरह सक्षम है।

उनके इस बयान से साफ है कि ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ पर है और भारतीय सेना देश की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। पाकिस्तान ने किसी भी तरह की हिमाकत की तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आर्मी चीफ के इस स्पष्ट संदेश से यह साफ हो गया है कि भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूरी तरह गंभीर है और देश की सुरक्षा के लिए निर्णायक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

पत्नी और मां की हत्या कर खाया मांस

नशेबाज ने पारिवारिक विवाद में पत्थर से सिर कूंचकर दोहरे हत्याकांड को दिया अंजाम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के परसा गांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने अपनी मां और पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पत्थर से दोनों के सिर पर हमला किया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लोगों का कहना है कि आरोपी युवक ने कुचले हुए सिर से मांस के टुकड़े भी खाए।

पुलिस के अनुसार, परसा गांव निवासी 30 वर्षीय सिकंदर सुबह नशे की हालत में घर की छत पर पहुंचा, जहां उसकी पत्नी प्रियंका (28) और मां रूना देवी (60) अलाव ताप रही थीं। शराब पीने को लेकर पत्नी से कहासुनी हुई । गुस्से में सिकंदर ने छत पर रखे पत्थर के टुकड़े से पहले पत्नी पर वार किया। मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उन पर भी हमला कर दिया। दोनों के अचेत होने के बाद आरोपी ने सिर कुचलकर हत्या कर दी। इसके साथ ही युवक ने एक वीभत्स क्रिया को अंजाम देते हुए कुचले हुए सिर से मांस के टुकड़े भी खाए।

घटना के बाद आरोपी काफी देर तक छत पर ही मौजूद रहा। छत से संदिग्ध वस्तुएं फेंके जाने पर ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो आरोपी ने विरोध किया और पथराव भी किया। करीब दो घंटे की मशक्कत और ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने उसे काबू में लिया। हत्या में प्रयुक्त पत्थर को भी बरामद कर लिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सिकंदर नशे का आदी था और परिवार में लंबे समय से तनाव चल रहा था। पुलिस ने आरोपी की बहन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

IAS के पिता से हनीट्रैप कर ठगी, सपा नेता फरार

- 10 आरोपियों पर केस दर्ज, कई जिलों में पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बागपत। जिले में एक IAS अधिकारी के पिता को हनीट्रैप में फंसाकर ठगी किए जाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तेज़ कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रकरण में समाजवादी पार्टी से जुड़े बताए जा रहे नेता सफीक सलमानी और उसका बेटा मुख्य आरोपी हैं, जो फिलहाल फरार चल रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में शामली, मेरठ, हापुड़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगातार दबिश दे रही है।

सूत्रों के अनुसार, आरोपियों के लखनऊ की ओर भागने की आशंका को देखते हुए वहां भी अलर्ट जारी किया गया है। बागपत कोतवाली में पीड़ित की शिकायत पर कुल 10 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का यह भी दावा है कि मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और कानून के दायरे में लाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

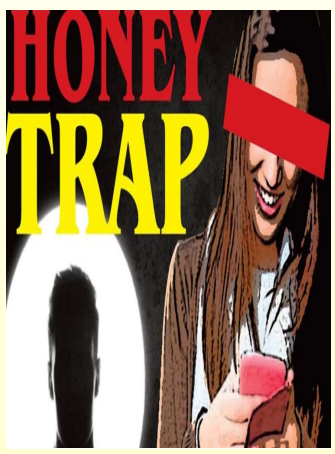

महापौर शहर से बाहर, अध्यक्ष के सामने बन रही हंगामे की रणनीति

16 जनवरी को पंकज चौधरी का आना प्रस्तावित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । निष्कासित पार्षदों के मामले में प्रभारी मंत्री की बैठक के बाद भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और महापौर प्रमिला पांडेय की बैठक में तय हुआ था कि एक दो दिन में मामले को खत्म कर लिया जाएगा। कानपुर नगर निगम से भाजपा के निष्कासित पार्षदों और महापौर के पुत्र का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और महापौर प्रमिला पांडेय के साथ पार्षदों की आठ घंटे चली बैठक का छह दिन बाद भी कोई परिणाम नहीं निकला है। माना जा रहा है कि इसी विवाद के चलते महापौर भी शहर आना टाल रही हैं।

वहीं, विरोधी पार्षद भी 16 जनवरी को प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के सामने हंगामे की रणनीति बना रहे हैं।

दरअसल, पिछले दिनों सदन की बैठक में भाजपा पार्षद अंकित मौर्य और पवन गुप्ता को महापौर ने निष्कासित कर दिया था। उसके बाद से ही हंगामा मचा हुआ है।

निष्कासित पार्षद इसकी वजह महापौर के पुत्र अमित पांडेय बंटी को बता रहे हैं। चर्चा है कि पार्षदों को लेकर संगठन का मामला यदि नहीं सुलझ पाता है, तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का आगमन दूसरी बार भी टल सकता है।

आगे नहीं बढ़ पा रही है बात

पंकज चौधरी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कानपुर आना है। पहले वह 13 जनवरी को आने वाले थे अब 16 जनवरी की तारीख निर्धारित हुई है। निष्कासित पार्षदों के मामले में प्रभारी मंत्री की बैठक के बाद भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और महापौर प्रमिला पांडेय की बैठक में तय हुआ था कि एक दो दिन में मामले को खत्म कर लिया जाएगा। लेकिन उसके बाद से महापौर बाहर हैं। इस वजह से बात आगे नहीं बढ़ पा रही है।

मंदिर से रातों-रात गायब हुआ शिवलिंग

चैंबर के अंदर मिला,मानसिक विक्षिप्त युवक की करतूत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नरवल के टिकरा चौहान गांव में मानसिक रूप से कमजोर युवक ने शिव मंदिर से शिवलिंग उखाड़कर पास के चैंबर में छिपा दिया था। उसे पुलिस ने बरामद कर दोबारा मंदिर में स्थापित कराया।

कानपुर में नरवल थाना क्षेत्र के टिकरा चौहान गांव में मंगलवार की सुबह उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया। जब शिव मंदिर से शिवलिंग के अचानक गायब होने की खबर फैल गई। ग्रामीण इंद्रपाल सिंह ने तुरंत डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही पीआरवी 4819 मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की।काफी देर तक खोजबीन के बाद शिवलिंग मंदिर परिसर से कुछ दूरी में जमीन में बने चैंबर के अंदर मिला। पुलिसकर्मियों ने शिवलिंग को उठाकर ग्रामीणों को सौंप दिया। जांच में सामने आया कि मोहल्ले में ही रहने वाला शुभम (26) मानसिक रूप से कमजोर है। रात में जागकर कभी किसी के बल्ब तोड़नाज्कभी कुछ फेंकना आदि तरह के कार्य किया करता है।

चैंबर के अंदर मिला शिवलिंग

बीती रात किसी वजनी वस्तु से शिवलिंग को उखाड़ कर पास में बने एक चैंबर में डालकर उसका पत्थर ऊपर से बंद कर दिया। खोजबीन के दौरान चेंबर का पत्थर खिसका हुआ मिला। जब उसको हटाकर देखा गया, तो शिवलिंग उसी के अंदर पड़ा मिला।

युवा दिवसः राष्ट्रहित और युवा शक्ति का लिया संकल्प

स्वामी विवेकानंद के विचारों से गूंजा केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी में युवा दिवस प्रेरणादायक वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को समर्पित रहा, जिसमें विद्यालय परिसर ऊर्जा और राष्ट्रभाव से भर उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य रवीश चंद्र पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण से किया।

वरिष्ठ शिक्षिका प्रियंका तिवारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। विद्यार्थियों ने विवेकानंद जी के प्रेरणादायक विचारों का वाचन किया।

कक्षा 11 की छात्रा प्रज्ञा ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का महत्व समझाया। इसके बाद वोकल फॉर लोकल के संदेश के साथ स्वदेशी प्रतिज्ञा दिलाई गई और जागरूकता रैली निकाली गई।

राष्ट्रहित और युवा शक्ति के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयोजन में खेल शिक्षिका वंदना राठौर एवं कला शिक्षिका डॉ. रूपम मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

आईजीआरएस रैंक का 'बेड़ा गर्क' करने वाले 35 विभागों को नोटिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आईजीआरएस रैंक का बेडागर्क करने वाले 35 विभागों को एडीएम सिटी ने नोटिस भेजते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है। प्रशासनिक अफसरों के काफी प्रयास के बाद भी कुछ विभागों की लापरवाही का खामियाजा जिले की साख पर पड रहा है। सबसे विडंबना वाली बात यह है कि जिन 35 विभागों को नोटिस दी गई है उनके निगेटिव फीडबैक 100 प्रतिशत है, यानि कोई भी शिकायतकर्ता इनके निस्तारण से संतुष्ट नहीं है। एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि गिरती रैंक का कारण कुछ विभागों की अत्याधिक लापरवाही है। इस संबंध में नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

दिसम्बर में आईजीआरएस रैंक में फिर से गिरावट आने के बाद अब प्रशासन काफी तल्ख कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। लगातार जिन विभागों की निगेटिव फीडबैक आ रही है उनके खिलाफ शासन स्तर पर कार्रवाई को लिखा जा सकता है। वहीं 35 विभाग जिनके सौ प्रतिशत निगेटिव फीडबैक है उनको नोटिस जारी किया गया है। इसमें स्पष्ट लिखा है कि कई बार मीटिंग व पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया किन्तु आपकी कार्य-प्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ है साथ ही विभाग ने लापरवाह कर्मचारियों पर क्या कार्रवाई इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गई। यह स्थिति अत्यन्त ही खेदजनक एवं निराशापूर्ण है। इस लापरवाही का स्पष्टीकरण 21 जनवरी तक दें और यह भी बताएं कि आपके विरूद्ध क्यों न कार्यवाही के लिए शासन से संस्तुति की जाए।

तहसील में शिकायत में घाटमपुर107 रैंक

घाटमपुर तहसील ने जनसुनवाई व समस्याओं के समाधान में जारी रैंक में कानपुर नगर में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। प्रदेश की 350 से अधिक तहसीलों में 107 वीं रैंक प्राप्त हुई है। 350 तहसीलों में Ghatampur को 100 में 97 नंबर मिले हैं और 107 रैंक मिली है। वहीं दूसरे नंबर पर नरवल तहसील को 83 अंक और 231 रैंक मिली है। तीसरे नंबर पर बिल्हौर तहसील 81 अंक और 250 रैंक है। वहीं सबसे फिसड्डी सदर तहसील को 72 अंक के साथ 312 रैंक मिली है। वहीं तहसील के अफसरों का कहना है कि शिकायतों के संतुष्टता के साथ निस्तारण को लगातार प्रयास किया जा रहा है।

100% निगेटिव फीडबैक

यह विभाग सौ प्रतिशत निगेटिव फीडबैक

अधिशाषी अभियंता उप्र जल निगम ग्रामीण, अपर आयुक्त-2 वाणिज्य कर विभाग, अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बिल्हौर, उद्यान अधिकारी-नगर निगम, खण्ड शिक्षा अधिकारी-नगर, खण्ड शिक्षा अधिकारी-चौबेपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी-शिवराजपुर, चकबंदी अधिकारी-घाटमपुर, जिला उद्यान अधिकारी-कानपुर नगर, जिला उपायुक्त स्वरोजगार, ग्राम्य विकास विभाग, जिला कमाडेंट होमगार्ड, जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी खादी एवं ग्रामोद्योग, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक-2, जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला होमोपैथिक चिकित्साधिकारी, जोनल अधिकारी-जोन-1 नगर निगम, जोनल अधिकारी जोन-2 नगर निगम, जोनल अधिकारी जोन-3 नगर निगम, जोनल अधिकारी नगर निगम,प्रधानाचार्य प्रावधिक शिक्षा उप्र, प्रबन्धक / प्रधान प्रबंधक दुग्ध विकास विभाग, प्रभारी अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, प्रभारी चिकित्साधिकारी / अधीक्षक कल्याणपुर, बन्दोबस्त अधिकारी-चकबन्दी, मुख्य अभियंता मार्ग प्रकाश नगर निगम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका (महिला), सचिव मंडी समिति,सब रजिस्टार स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, सहकारी अधिकारी उप्र आवास विकास, सहकारी अधिकरी-उप्र आवास विकास परिषद, सहायक विकास अधिकारी - ककवन (पंचायत राज विभाग), सहायक विकास अधिकारी - सरसौल (पंचायत राज विभाग), सीएमएस मा काशीराम चिकित्सालय..

पंचायत चुनाव से पहले पांच लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का होगा वेरीफिकेशन

- आधार मिलान और स्थलीय सत्यापन से बीएलओ करेंगे पहचान, एसडीएम स्तर पर होगी पुष्टि
- 20 फरवरी तक पूरा होगा सत्यापन, 28 मार्च को प्रकाशित की जाएगी अंतिम मतदाता सूची

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत कानपुर नगर जिले में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी गई है। पुनरीक्षण अभियान के बाद तैयार सूची की जांच में राज्य निर्वाचन आयोग ने पांच लाख से अधिक संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान की है। अब इन सभी मतदाताओं का सत्यापन उपजिलाधिकारी स्तर से किया जाएगा। बूथ लेवल अधिकारियों को डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सौंप दी गई है, जिसके साथ ही सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आधार कार्ड के अंतिम चार अंकों, उपलब्ध दस्तावेजों और स्थलीय जांच के माध्यम से मतदाताओं की पहचान की जाएगी। पंचायत चुनाव से पहले मतदाता सूची को शुद्ध करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। आयोग के अनुसार, डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन 20 फरवरी तक पूरा कर लिया जाएगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 मार्च को किया जाएगा। इसके बाद 21 फरवरी से 16 मार्च तक नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन की प्रक्रिया चलेगी।

12.84 लाख वोटर्स की सूची तैयार की गई थी

जिले में 590 ग्राम पंचायतों के लिए पुनरीक्षण अभियान के बाद 12 लाख 84 हजार मतदाताओं की सूची तैयार की गई थी। छह जनवरी तक चले अभियान में 29 हजार दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। इसके बावजूद सॉफ्टवेयर आधारित जांच में एक ही मतदाता का नाम एक से अधिक सूचियों में दर्ज पाया गया, जिसके आधार पर 5,17,503 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं को चिन्हित किया गया है। अब बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे और आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट तैयार करेंगे। यह रिपोर्ट संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा जांच के बाद ऑनलाइन अपलोड की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से फर्जी, मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, जिससे चुनाव में केवल वास्तविक मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

रेलवे गार्ड बनकर इंस्पेक्टर ने पत्नी-बेटे के हत्यारोपी को दबोचा

खेतों से भागते हुए 1 किलोमीटर पीछा कर हुई गिरफ्तारी

स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र में हुए दिल दहला देने वाले दोहरे हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने चतुराई और साहस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पत्नी और मासूम बेटे की हत्या कर फरार चल रहे सुरेंद्र यादव उर्फ स्वामी को घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने रेलवे गार्ड का भेष धारण कर पकड़ लिया। यह गिरफ्तारी पुलिस की रणनीति और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण बन गई है।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम आरोपी की लोकेशन उसके गांव सर्देपुर के आसपास मिली थी, लेकिन कुछ ही देर में उसका मोबाइल बंद हो गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर बिष्ट ने टीम को अलर्ट किया और गांव से हाईवे की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी करा दी। खुद वह गोपालपुर रेलवे क्रॉसिंग पहुंचे, जहां पहचान छिपाने के लिए गेटमैन से रेलवे गार्ड की ड्रेस, हेलमेट और हरी झंडी लेकर ट्रैक के पास तैनात हो गए।इसी दौरान आरोपी खेतों के रास्ते बाहर निकलता दिखाई दिया। जैसे ही गार्ड बने इंस्पेक्टर ने उसे आवाज दी, आरोपी भागने लगा। इंस्पेक्टर ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर उसे धर दबोचा। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लिया।

क्या है पूरा मामला

11 जनवरी की रात करीब 9 बजे आरोपी ने शराब पीने का विरोध करने पर अपनी 5 महीने की गर्भवती पत्नी और ढाई साल के बेटे की बांके से हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह फरार हो गया था। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि घरेलू विवाद और शराब को लेकर हुए झगड़े के बाद गुस्से में उसने वारदात को अंजाम दिया।

केडीए की सील तोड़कर फिर तानाशाही से अवैध निर्माण

» हरबंश मोहाल में अवैध होटल संचालन पर गंभीर सवाल

» निर्माण कर्ता आशु गुप्ता केडीए के नियमों को करता है अनदेखी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हरबंश मोहाल थाना क्षेत्र के सुतरखाना इलाके में स्थित भवन संख्या 70/86 राही होटल, जिसे अब कल्कि होटल के नाम से संचालित किया जा रहा है, एक बार फिर अवैध निर्माण और नियमों की अनदेखी को लेकर चर्चा में है। बिना मानचित्र स्वीकृति के कराए गए निर्माण को स्वयं गलत मानते हुए केडीए ने कुछ समय पहले सील किया था, लेकिन अब वही सील तोड़कर होटल का संचालन दोबारा शुरू कर दिया गया है। यह पूरा मामला तब सामने आया था जब स्थानीय लोगों के विरोध के बाद मीडिया में अवैध निर्माण को प्रमुखता से उठाया गया। आरोप था कि होटल का एक हिस्सा आगे बढ़ाकर मजार को घेरते हुए बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था। दबाव बढ़ने पर केडीए अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को अवैध मानते हुए भवन को सील किया था।

हैरानी की बात यह है कि चंद दिनों के भीतर ही सील तोड़ दी गई और होटल फिर से संचालित होने लगा। इससे केडीए की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक सख्ती पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना किसी संरक्षण के ऐसा संभव नहीं है।

मामला यहीं नहीं रुका। आरोप है कि होटल मालिक ने उसी इलाके में कुछ दूरी पर केतकी देवी धर्मशाला के

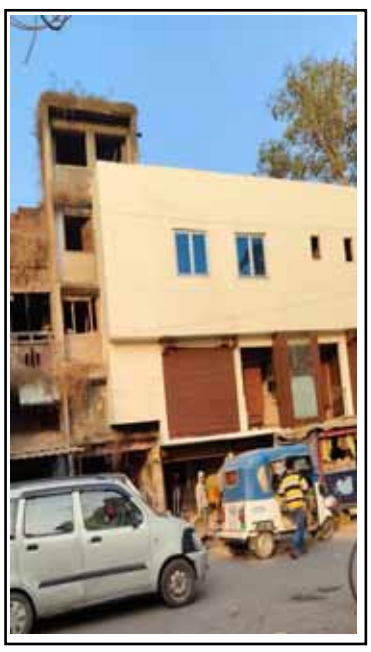

नाम से मसूर परिसर में एक और नया अवैध निर्माण खड़ा कर दिया है।

यह निर्माण भी कई फुट आगे बढ़ाकर किया गया है, जबकि जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही।

क्षेत्रीय नागरिकों में इस पूरे प्रकरण को लेकर भारी रोष है।

लोगों का कहना है कि यदि बिना मानचित्र स्वीकृति के खुलेआम हो रहे इन अवैध निर्माणों पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

इससे न केवल शहर की नियोजन व्यवस्था बिगड़ेगी, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और केडीए से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, सील तोड़ने के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और अवैध निर्माण कराने वाले होटल मालिक व संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन दोबारा इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेता है या फिर बिना नक्शा स्वीकृति के हो रहे अवैध निर्माण यूं ही संरक्षण पाते रहेंगे।

केडीए के प्रवर्तन अधिकारी सीबी पांडे ने कहा कि मामले की जानकारी की जा रही है एक्शन लिया जाएगा।

आचार्य पं. मुंशी राम शर्मा सोम की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आचार्य पंडित मुंशी राम शर्मा सोम जी की पुण्यतिथि के अवसर पर सोम वाटिका, सिविल लाइन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आचार्य पं. मुंशी राम शर्मा सोम जी ने समाज सेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और नई पीढ़ी को उनके विचारों से सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में शिव नारायण शर्मा समिति के अध्यक्ष श्यामदेव सिंह, संतोष शर्मा एडवोकेट, अनिल त्रिपाठी, सर्वेश पाण्डेय, निन्नी, आरूष भट्ट, अभय साहू, अनिकेत सविता, योगेश शर्मा, संजय सविता, हरगोविंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। समिति के महासचिव राजेश शर्मा ने सभी अतिथियों व उपस्थित जनों का आभार जताया।

स्टेडियम की जिम में आम युवाओं की एंट्री पर रोक, यूथ नाराज

» अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के बयान से बढ़ा विवाद

» महंगे शुल्क और भेदभाव के विरोध में राष्ट्रीय युवा दिवस पर यूथ फाउंडेशन की पदयात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यूथ फाउंडेशन ने माती स्थित स्टेडियम में आम युवाओं को जिम व इंडोर खेल सुविधाओं से वंचित किए जाने और अत्यधिक शुल्क वसूले जाने के विरोध में पदयात्रा निकालकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। पदयात्रा के बाद कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।यूथ फाउंडेशन के संस्थापक आयुष त्रिवेदी ने बताया कि युवाओं और छात्रों को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा करोड़ों की लागत से स्टेडियम का निर्माण कराया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। स्टेडियम की जिम और इंडोर खेल स्थलों में आम स्थानीय युवाओं को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। यहां केवल अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन ही सुविधाओं का उपयोग कर पा रहे हैं, जिससे खेलों में रुचि रखने वाले युवा निराश और हतोत्साहित हो रहे हैं।उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिम में एक भी आम युवा पंजीकृत नहीं है। जिम का मासिक शुल्क एक हजार रुपए निर्धारित किया गया है, जो छात्रों और युवाओं के लिए अत्यधिक है। वहीं सरकारी कर्मचारियों को शुल्क में छूट दी जा रही है, लेकिन गरीब और निर्धन छात्रों के लिए कोई रियायत नहीं है।इस दौरान अकबरपुर कस्बे के अशोक नगर निवासी युवा केशव मिश्रा ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि कुछ दिन पूर्व जब वह स्टेडियम की जिम में गया, तो यह कहकर अंदर जाने से रोक दिया गया कि

अधिकारियों के बच्चे अंदर मौजूद हैं। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई, तो अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कथित रूप से कहा गया कि यदि कोई खास व्यक्ति अंदर हो तो रुक जाना चाहिए। इस बयान को लेकर मौके पर तीखी नोकझोंक हुई और युवाओं में भारी आक्रोश फैल गया।युवाओं का कहना है कि स्टेडियम और जिम किसी अधिकारी या उनके परिवार के लिए नहीं, बल्कि सभी युवाओं के समान अधिकार के लिए बने हैं। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।यूथ फाउंडेशन से जुड़े सूरज तिवारी ने कहा कि वीआईपी संस्कृति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार्य नहीं है।युवाओं ने मांग की कि स्टेडियम में स्थानीय युवाओं और छात्रों को नियमित प्रवेश दिया जाए, छात्रों के लिए रियायती शुल्क तय किया जाए और गरीब व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को नि:शुल्क खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।इस मौके पर अमन गुप्ता, कुलदीप सिंह, केशव मिश्रा, उत्कर्ष सिंह गौर, अभिषेक श्रीवास्तव, राहुल तिवारी, घनेन्द्र सिंह सेंगर, अंकित मिश्रा, मयंक दीक्षित, उमंग मिश्रा, भरत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

सम्पादकीय

गिग-वर्कर्स की मांगों को गंभीरता से लें

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है।दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है।

सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है।

निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये।

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

यशवंत सचदेव

इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने...
इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग-ऑन-चिप) विकसित किया है।

ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान-प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है। ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी-छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन-चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे। इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर

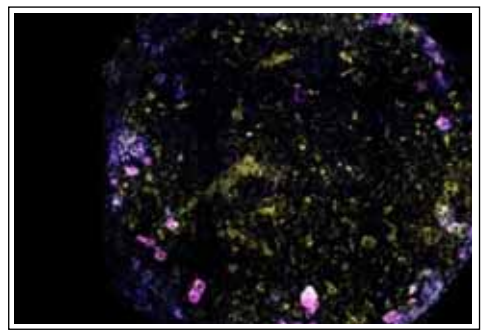

फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं। प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग-अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके।

इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन-ऑन-चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है।

नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं। वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं।

बच्चों को जीवंत दुनिया से जोड़ने की दिशा में पहल

स्कूलों में समाचार पत्र वाचन

डा0 सुधीर कुमार

डिजिटल युग में बच्चों द्वारा स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय बदलावकारी कदम साबित हो सकता है। यदि वे रोज 10 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ें, तो वर्षों में यह आदत उनके व्यक्तित्व, कैरियर और दृष्टिकोण को बदल सकती है। वहीं यह पहल बच्चों में एकाग्रता बढ़ाने की स्क्रीन टाइम कम करने में सहायक होगी।उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरा है। दिसंबर, 2025 में उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी और माध्यमिक स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद कम से कम 10 मिनट समाचार पत्र वाचन अनिवार्य कर दिया गया। इसके एक सप्ताह बाद, जनवरी 2026 की शुरुआत में राजस्थान में भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया। जिसमें सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान 10 मिनट का विशेष सत्र समाचार पत्र पढ़ने के लिए तय किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित करना, उनकी शब्दावली समृद्ध करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और समसामयिक घटनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब डिजिटल युग में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन-आधारित सामग्री ने बच्चों का अधिकांश समय छीन लिया है। गहराई से पढ़ने की क्षमता व ध्यान केंद्रित करने की अवधि घट रही है और भाषा कौशल में कमी आ रही है। ऐसे में समाचार पत्र जैसी मुद्रित सामग्री को अनिवार्य बनाना बच्चों को स्क्रीन से दूर कर वास्तविक जानकारी के संपर्क में लाने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश में इस आदेश के अनुसार, स्कूलों की लाइब्रेरी में हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं के समाचार पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रार्थना के बाद विद्यार्थी बारी-बारी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल समाचार और संपादकीय पढ़कर सुनाएंगे। राजस्थान में भी यही व्यवस्था अपनाई गई, जहां उच्च माध्यमिक व

अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में न्यूनतम एक हिंदी व एक अंग्रेजी अखबार तथा उच्च प्राथमिक स्कूलों में दो हिंदी अखबार जरूरी हैं। इनकी सदस्यता का खर्च राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा वहन किया जाएगा। इस पहल के सबसे प्रमुख प्रभावों में से एक है भाषा कौशल और शब्दावली में सुधार। समाचार पत्रों में इस्तेमाल होने वाली भाषा औपचारिक, विविध और समृद्ध होती है। बच्चे रोजाना नए शब्दों, मुहावरों और वाक्य संरचनाओं से परिचित होते हैं। राजस्थान के आदेश में कहा गया है कि प्रतिदिन 5 नए शब्दों का चयन कर उन्हें समझाया जाएगा, जिससे छात्रों का शब्द भंडार लगातार बढ़ेगा। यह न केवल हिंदी या अंग्रेजी की परीक्षाओं में मदद करेगा, बल्कि बोलचाल, लेखन और संवाद कौशल भी मजबूत करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, मुद्रित सामग्री पढ़ने से आंखों की गति, समझने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की अवधि में सुधार आता है, जो डिजिटल स्क्रीन पर संभव नहीं होता। दूसरा अहम प्रभाव सामान्य ज्ञान और समसामयिक जागरूकता में वृद्धि है। आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, राज्य लोक सेवा आयोग और यहां तक कि बोर्ड परीक्षाओं में भी करेंट अफेयर्स का बड़ा हिस्सा होता है। समाचारपत्र नियमित पढ़ने से बच्चे देश-विदेश की घटनाओं, नीतियों, आर्थिक बदलावों, पर्यावरण मुद्दों और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ते हैं। इससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है और वे समाज के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। मसलन जब कोई छात्र रोजाना संपादकीय पढ़ता है, तो उसकी विभिन्न मुद्दों पर तर्कपूर्ण सोच विकसित होती है, जो आलोचनात्मक चिंतन की नींव है। तीसरा, यह कदम पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों के सरकारी स्कूलों में अक्सर बच्चों के घर समाचार पत्र नहीं पहुंचते। कई परिवारों में आर्थिक तंगी या पढ़ने की परंपरा न होने के कारण बच्चे किताबों और अखबारों से दूर रहते हैं। स्कूलों में इसे अनिवार्य करने से हर बच्चे को समान अवसर मिलेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि यदि यह आदत बचपन से ही बन जाए, तो वयस्क होने पर भी व्यक्ति समाचार पत्र या किताबें पढ़ना जारी रखता है, जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, यह पहल स्क्रीन टाइम को कम करने में भी सहायक होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में ध्यान की कमी, नींद संबंधी समस्याएं, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। समाचार पत्र पढ़ना एक शांत, गहन और एकाग्रता वाली गतिविधि है, जो डिजिटल डिटॉक्स का एक छोटा लेकिन प्रभावी रूप है। हालांकि, दोनों राज्यों में इस निर्णय के समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती है कार्यान्वयन। ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्रों की समय पर डिलीवरी, शिक्षकों की कमी या उनकी ट्रेनिंग का अभाव, तथा स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का कम होना कार्य को कठिन बना सकता है। दूसरी बात, कुछ विद्यार्थी शुरू में इसे बोझ समझ सकते हैं, खासकर यदि वे हिंदी या अंग्रेजी में कमजोर हैं। तीसरा, समाचार पत्रों का कंटेंट हमेशा बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं होता।

प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष मिलने पर हंगामा, तोड़फोड़

इंस्पेक्टर, दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी किये गये सस्पेंड

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कस्बे के कुटरा रोड स्थित निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास कब्रिस्तान और खेत के बीच प्रतिबंधित पशुओं के सिर, हड्डियां और खाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि आपका अपना स्वराज इंडिया अख़बार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वीडियो सामने आने के बाद हिंदू संगठनों के नेता सक्रिय हो गए। सूचना पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और भाजपा से जुड़े नेता व कार्यकर्ता रात करीब 9 बजे मौके पर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। संगठनों ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मांस मिलना पुलिस संरक्षण की ओर इशारा करता है। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए, जिनमें कुछ युवक मुंह ढके हुए और हाथों में लाठियां लिए दिखाई दिए। आक्रोशित भीड़ ने नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंचे कुछ सिपाहियों को भीड़ ने खदेड़ दिया।

स्थिति को बिगड़ता देख एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह, एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, तहसीलदार अनुभव चंद्र, नायब तहसीलदार राजपूत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान हिंदू संगठनों के नेताओं और अधिकारियों के बीच कई बार तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई।

करीब एक घंटे बाद एडीसीपी पश्चिम कपिल देव मौके पर पहुंचे। आक्रोशित भीड़ ने कोतवाली प्रभारी समेत दरोगा और सिपाहियों को तत्काल हटाने की मांग की। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर बिल्हौर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज, कस्बा प्रभारी प्रेम वीर सिंह, हल्का प्रभारी आफताब आलम और हेड कांस्टेबल दिलीप गंगवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। घटनास्थल के पास बने एक गोदाम को लेकर भी भीड़ ने आरोप लगाए। अधिकारियों ने गोदाम का निरीक्षण कर उसे सील कर दिया। मौके पर बुलाए गए राजकीय पशु चिकित्सक डॉ. नीरज पटेल की टीम ने प्रतिबंधित मांस के अवशेषों के नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए। इसके बाद आक्रोशित भीड़ नारेबाजी करते हुए जीटी रोड स्थित थाने पहुंची और थाने का घेराव कर लिया।

देर रात तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा।देर रात विधायक राहुल बच्चा सोनकर भी अपने समर्थको के साथ बिल्हौर पहुँचे और थाने में अधिकारियों को दो टुक शब्दों में कहा है कि 48 घंटे से अंदर सभी की गिरफ़्तारी की जाए।

चेयरमैन समेत 10 नामजद, दो दर्जन अज्ञात पर एफआईआर

मामले में पुलिस ने स्वयं वादी बनते हुए बिल्हौर चेयरमैन इकलाख खान,रहमान, लाल बाबू पूर्व चेयरमैन समेत 10 नामजद और करीब दो दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है।

कई गाड़ियों में की गई तोड़फोड़

आक्रोश के दौरान ग्रीन पैलेस गेस्ट हाउस से लेकर सिंह वाहिनी मंदिर के सामने तक खड़ी कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। सड़क किनारे खड़ी कारों और अन्य वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए। तोड़फोड़ करने वालों की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं अधिकारियों की मौजूदगी में वीडियोग्राफी कराकर प्रतिबंधित मांस के अवशेषों को जेसीबी से कब्रिस्तान की दीवार के पास गड्ढा खुदवाकर दफनाया गया।

- पालिका अध्यक्ष सहित कई पर एफआईआर
- हिंदू दल के नेताओं ने जमकर की नारेबाजी

तहसील प्रशासन ने खंगाले सरकारी अभिलेख

जिस स्थान पर प्रतिबंधित मांस के अवशेष मिले थे, उस भूमि की स्थिति स्पष्ट करने के लिए तहसील प्रशासन देर रात तक सक्रिय रहा। एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने कानूनगो के साथ मौके पर पहुंचकर सरकारी अभिलेखों की जांच की। अधिकारियों ने क्षेत्रीय लेखपाल को भी तत्काल मौके पर बुलाया, वहीं कानपुर से अन्य लेखपालों की टीम भी पहुंची और नक्शों का मिलान शुरू किया। जांच में सामने आया कि जिस स्थान पर अवशेष पाए गए, वह खेत गाटा संख्या 1861 में दर्ज है। प्रशासन ने भूमि की वास्तविक स्थिति और स्वामित्व को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

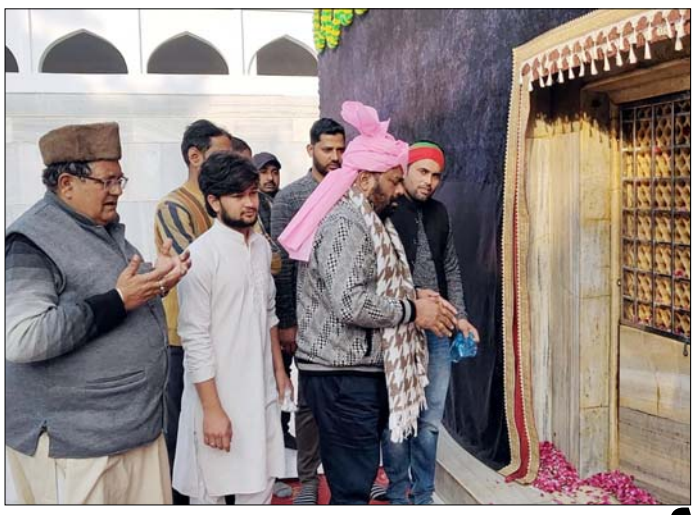

मकनपुर दरगाह पर पूर्व एमएलसी ने टेका मत्था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी कल्लू यादव ने मंगलवार को मकनपुर स्थित सूफ़ी संत हज़रत सैय्यद बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार की दरगाह पर अपने सहयोगियों के साथ पहुंचकर माथा टेका और चादर चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने देश की उन्नति, अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ की। पूर्व एमएलसी के मकनपुर आगमन पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं ज़िला उपाध्यक्ष सैयद साहिर हुसैन जाफ़री तथा सपा ज़िलाध्यक्ष (अल्पसंख्यक सभा) मुकीम खान ने कार्यकर्ताओं के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पगड़ी पहनाई गई तथा मकनपुर इतिहास के आईने में पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशरफुज्जमा उर्फ चांदी भाई, मोअल्लिम हुसैन, मुदक्किर हुसैन, इरफ़ान खान, शाकिर सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। दरगाह परिसर में श्रद्धा और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

बुद्ध चरित्र कथा में उमड़े श्रद्धालु पूर्व सांसद ने किया कथा श्रवण

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। नगर के बिल्हौर इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित बुद्ध चरित्र भगवंत कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रीलंका से आए प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु सद्धर्माचार्य भिक्षु प्रियदर्शी द्वारा भगवान बुद्ध के जीवन, करुणा और शांति के संदेश पर आधारित कथा का भावपूर्ण वाचन किया जा रहा है।

कथा स्थल पर भाजपा मिश्रिख लोकसभा की पूर्व सांसद डॉ. अंजू बाला भी पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धा के साथ बुद्ध चरित्र कथा का श्रवण किया और भिक्षु प्रियदर्शी के उपदेशों को आत्मसात किया। कथा के दौरान भगवान बुद्ध के अहिंसा, संयम और मानव कल्याण से जुड़े विचारों को वर्तमान जीवन से जोड़कर प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य अश्वनी कटियार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं उनके समर्थक मौजूद रहे। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

दर्शन वह ज्ञान है जो तत्व का बोध कराता

स्वामी विवेकानंद जयंती पर गुरुकुल में नव्य वेदांत पर मंथन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। श्रीगुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला में स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी ‘स्वामी विवेकानंद के नव्य वेदांत का शिक्षा में निहितार्थ’ में वेद विद्वानों ने विचार रखे। मुख्य वक्ता शुक्ल यजुर्वेद के आचार्य अक्षय वी देवघर ने कहा कि जिससे सत्य का दर्शन हो वही दर्शन है दर्शन वह ज्ञान है जो तत्व का बोध कराता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने वेद मंत्रों और सरस्वती वंदना का पाठ किया। पूर्व प्रधानाचार्य दु:ख हरण नाथ मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का नव्य वेदांत शिक्षा में शिक्षकङ्छात्र संबंधों की मधुरता, अनुशासन और शिक्षक के नैतिक कर्तव्यों पर बल देता है। संगोष्ठी में आचार्य आशुतोष त्रिपाठी, शिवांकर , प्रधानाचार्य नीरज कुमार ओझा, ऋग्वेद विद्वान बृजेश कुमार मिश्रा, सामवेद विद्वान आर्कजन चटर्जी सहित अनेक विद्वानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन सौरभ ब्रह्मचारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन उत्कर्ष ब्रह्मचारी ने किया। समारोह में गुरुकुल के निदेशक डॉ. दिलीप सिंह, आचार्यगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायालय माती में मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज का आयोजन

» अधिवक्ताओं ने राहगीरों, वादकारियों और आमजन को कराया प्रसाद ग्रहण किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर अकबरपुर में अधिवक्ताओं द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित हनुमान मंदिर के बगल में किया गया, जहां सुबह से ही गरमागरम खिचड़ी का वितरण शुरू हो गया।कड़ाके की ठंड के बावजूद न्यायालय में दूर-दराज से आए वादकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीरों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। सेवा और सहयोग की भावना से ओत-प्रोत यह आयोजन दिन भर चर्चा का विषय बना रहा।खिचड़ी भोज का आयोजन अधिवक्ता दुर्गेश यादव द्वारा अपने सहयोगियों के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मकर संक्रांति के दिन दान और खिचड़ी खिलाने का विशेष धार्मिक महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और शनि देव मकर राशि के स्वामी माने जाते हैं। खिचड़ी शनि देव को प्रिय है और इसके दान से बाधाएं दूर होती हैं तथा नकारात्मक प्रभावों से रक्षा होती है। इसी परंपरा के निर्वहन के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अधिवक्ता दुर्गेश चंद्र यादव प्रत्याशी महामंत्री जिला बार एसोसिएशन कानपुर देहात, अधिवक्ता डी के वर्मा, अधिवक्ता महेंद्र सिंह, अधिवक्ता श्याम सुंदर, अधिवक्ता शशि बिंदु, अधिवक्ता नीलेश यादव, अधिवक्ता अर्पित चतुर्वेदी, अधिवक्ता सौरभ यादव, अधिवक्ता अंशुल यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण, न्यायालय कर्मचारी और वादकारी उपस्थित रहे।

छोटे से विवाद में मारपीट अधेड़ की गई जान

इलाज के दौरान हैलट अस्पताल में हुई मौत

तनाव को देख गांव में भारी पुलिस बल तैनात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मामूली विवाद के बाद दो पक्षों में हुई मारपीट एक युवक की मौत का कारण बन गई। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए हैलट अस्पताल कानपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए क्यूआरटी सहित भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घटना शिवली कोतवाली क्षेत्र के मलिकपुर गांव की है। गांव निवासी देवकीनंदन पासी शिवलीङ्ककल्याणपुर मार्ग स्थित सुरभि एजुकेशन सेंटर के सामने झोपड़ी डालकर परिवार के साथ रह रहे थे।

बताया गया कि रविवार शाम करीब सात बजे देवकीनंदन पासी की पत्नी ममता और गांव के गोविंद सिंह ठाकुर की पत्नी संगम के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। इसके बाद संगम ने अपने मायके फोन कर घटना की जानकारी दी। देर रात करीब 11 बजे मायके से आए लोगों ने गोविंद सिंह और उसकी पत्नी संगम के साथ मिलकर देवकीनंदन की झोपड़ी पर हमला कर दिया।

आरोप है कि हमलावरों ने देवकीनंदन, उसकी पत्नी ममता, पुत्र सूरज, पुत्रियां गोमती और खुशबू तथा बेटू के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे सभी घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी शिवली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने देवकीनंदन की हालत गंभीर देखते हुए उसे हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

अंतिम संस्कार से इनकार करने लगे

पोस्टमार्टम के बाद सोमवार शाम शव गांव पहुंचा तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। परिजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इनकार करने लगे। हालात बिगड़ते देख शिवली, रूरा, रसूलाबाद और रनियां थानों की पुलिस के साथ क्यूआरटी व एसओजी टीम को मौके पर बुलाया गया। एसडीएम मैथा राजकुमार पांडेय और सीओ रसूलाबाद आलोक जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

जिसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मृतक की पुत्री की तहरीर पर आरोपी गोविंद सिंह, उसकी पत्नी संगम सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया था, ।

जिसे अब हत्या की धारा में तरमीम किया जाएगा। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शिवली और रसूलाबाद थाना पुलिस के साथ एसओजी टीम दबिश दे रही है।

असालतगंज में वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आगाज

पहले दिन का मुकाबला रहा रोमांचक, टाइटन क्रिकेट क्लब ने किया आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया जाना चाहिए, क्योंकि इससे शारीरिक और बौद्धिक विकास के साथ-साथ आपसी सद्भाव भी बढ़ता है। यह बात समाजसेवी हाजी फैजान खान ने असालतगंज में आयोजित वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत करते हुए कही।

महावीरन मंदिर ग्राउंड में टाइटन क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ समाजसेवी हाजी फैजान खान ने फीता काटकर किया। टूर्नामेंट के पहले दिन बजरंग मानपुर और रसूलाबाद टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के बीच टॉस कराया गया, जिसके बाद मैच की औपचारिक शुरुआत हुई। पहले ही दिन का मैच काफी रोमांचक रहा, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। टाइटन क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष दीपू वर्मा, उपाध्यक्ष संजय कुशवाहा, कोषाध्यक्ष मंजेश राजपूत, टूर्नामेंट प्रबंधक मो. हारुन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अनियंत्रित कंटेनर दुकान में घुसा, चालक व दुकानदार बचे

» अकबरपुर से कानपुर जा रहा था कंटेनर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में एक तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे स्थित परचून की दुकान में जा घुसा। हादसे में दुकान क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक और दुकानदार दोनों सुरक्षित रहे।

जानकारी के अनुसार कंटेनर अकबरपुर से कानपुर की ओर जा रहा था। ओवरटेक करने के दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे कंटेनर सीधे दुकान में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही रनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद चालक पातरे, निवासी द्वारिकापुर रूरगांव, भोगनीपुर को बाहर निकाला। घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटना के समय दुकान में मौजूद युवक निहाल बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर यातायात बाधित रहा। रनिया थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि कंटेनर तेज रफ्तार में था और ओवरटेक के दौरान यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय:4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

सीएम योगी से पूर्व विधायक निर्मला ने की मुलाकात

रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास पर हुई चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मकर संक्रांति पर्व से पूर्व रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक निर्मला संखवार ने मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं और विकास से संबंधित मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक निर्मला संखवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रामलला के बाल रूप का चित्र एवं राम मंदिर की आकृति भेंट की। उन्होंने रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सड़क निर्माण से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व विधायक से कहा कि वे क्षेत्र में सक्रिय रूप से भ्रमण कर भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएं और यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को मिले।

कोहरे की मार से राहत धूप निकलते ही खेतों में लौटी रौनक

» यूरिया व कीटनाशक छिड़काव शुरू, किसानों के चेहरे खिले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। लगातार करीब बीस दिनों तक छाए घने कोहरे और दिन में महज कुछ देर धूप निकलने के कारण गेहूं की फसल को लेकर चिंतित किसानों के लिए शनिवार की सुबह राहत लेकर आई। दो दिनों से सुबह-सुबह निकल रही तेज धूप ने किसानों की उम्मीदों को नई संजीवनी दी है। मौसम खुलते ही किसान खेतों की ओर लौट आए और गेहूं की फसल में जरूरी कार्यों में जुट गए।बीते करीब बीस दिनों से प्रतिकूल मौसम के चलते गेहूं के खेतों में यूरिया खाद और खरपतवार नाशक दवाओं का छिड़काव नहीं हो पा रहा था, जिससे फसल की समुचित बढ़वार और विकास प्रभावित हो रहा

था। कई किसानों ने कड़ाके की ठंड और कोहरे के कारण सिंचाई कार्य भी रोक रखा था। ऐसे में धूप निकलने का किसान बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मौसम साफ होते ही किसान खेतों में यूरिया व कीटनाशक दवाओं का छिड़काव शुरू कर दिया।

गंगागंज गांव के किसान सलमान ने बताया कि लगातार कोहरे और ठंड के कारण समय पर खाद का छिड़काव नहीं हो पा रहा था, जिससे गेहूं के पौधों की बढ़वार रुक गई थी। मौसम के इस बदलाव से किसानों के चेहरों पर राहत नजर आ रही है।

20 साल बाद हथेही माइनर में दौड़ा पानी, किसानों के चेहरे खिले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। करीब 20 वर्षों से सूखी पड़ी हथेही माइनर में आखिरकार पानी पहुंच गया। माइनर में पानी छोड़े जाने के साथ ही क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे। वर्षों से सिंचाई संकट से जूझ रहे किसानों के लिए यह बड़ी राहत बनकर सामने आई है। खेतों तक पानी पहुंचने की उम्मीद जगी तो गांवों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। किसानों ने बताया कि बीते दो दशकों से हथेही माइनर में पानी नहीं आया था। मजबूरी में उन्हें बारिश, ट्यूबवेल और डीजल पंप के सहारे खेती करनी पड़ रही थी, जिससे खेती की लागत बढ़ने के साथ-साथ उत्पादन भी प्रभावित हो रहा था। कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।

अब माइनर में पानी पहुंचने से गेहूं, सरसों सहित अन्य रबी फसलों की सिंचाई सुचारु रूप से हो सकेगी। इससे न केवल किसानों की लागत कम होगी, बल्कि पैदावार बढ़ने की भी पूरी उम्मीद है। वर्षों बाद मिली इस सुविधा को किसान खेती के लिए नई शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग द्वारा किए गए सुधार कार्यों और लगातार निगरानी के चलते ही यह संभव हो पाया है। लंबे समय से जमी समस्या के समाधान से क्षेत्र की अन्य माइनरों को लेकर भी किसानों में उम्मीद जगी है।

सहायक अभियंता (एई) सार्थक सिंह ने बताया कि किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि क्षेत्र की प्रत्येक माइनर तक पानी पहुंचे।

83 वर्ष की उम्र में भी जनचेतना का अलख जगा रहा अकेला दम्पति

जागृति सेवा संस्था ने आवागमन हेतु कार भेंट कर किया सम्मान

» अभिनन्दन समारोह में 26 गरीब बेटियों की स्कूल फीस जमा, जरूरतमंदों को कंबल व शॉल वितरित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जीवन के 83 बसंत पार कर चुके नैनपुर गांव, पुखरायां भोगनीपुर निवासी डॉ सुदामा प्रसाद अकेला और उनकी पत्नी सावित्री देवी अकेला आज भी समाज में वैज्ञानिक चेतना और अंधविश्वास के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर भी अकेला दम्पति गांवङ्कदेहात में घूमकर लोगों को सामाजिक कुरीतियों और रूढ़िवादी परंपराओं से मुक्त करने का संदेश दे रहा है।

सोमवार को दम्पति के जन्मदिवस के अवसर पर नैनपुर गांव में भव्य अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पूरे गांव के लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया। समारोह में पूर्व सांसद राजाराम पाल, समाजवादी पार्टी महासचिव अनिल कटियार, अपना दल नेता जयनारायण कटियार, पूर्व विधायक मिथलेश कटियार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल व वस्त्र वितरित किए गए। सामाजिक सेवा में निरंतर योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को डॉ सुदामा प्रसाद अकेला द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं जागृति सेवा संस्था द्वारा अकेला दम्पति के आवागमन की सुविधा के लिए कार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद मारूख ने किया। समारोह में बीडी सचान, अंजनी वर्मा, सीपी भारतीय, प्रतिभा शर्मा, सीपी सचान, पंकज कुमार सिंह, दीपा कटियार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

26 बेटियों की दो माह की फीस जमा

अभिनन्दन समारोह के दौरान एजुकेशन प्रोत्साहन समिति ढिंकची द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत 26 मेधावी गरीब बेटियों की शिक्षा में आ रही आर्थिक बाधाओं को दूर करते हुए दो माह की विद्यालय शुल्क प्रतिपूर्ति जमा की गई। समिति के दीपक भाई पटेल ने बताया कि संस्था शिक्षा के मार्ग में आने वाली हर अड़चन को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस मौके पर पूर्व वरिष्ठ बैंक अधिकारी शैलेंद्र सचान ने बच्चों को खेल आधारित पहेली के माध्यम से अंधविश्वास के प्रति जागरूक किया तथा बच्चों को डायरी और कलम भेंट कर प्रोत्साहित किया।

एमएलसी हरिओम पांडे के परिवार पर बड़ी साजिश के आरोप

आरोपः निर्माणाधीन रामनारायण गर्ल्स डिग्री कॉलेज पर अवैध कब्जा कर लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अम्बेडकर नगर। एमएलसी हरिओम पांडे का नाम एक बार फिर गंभीर आरोपों में घिर गया है। अयोध्या के गद्दोपुर प्रकरण के बाद अब आलापुर तहसील के आरिबपुर से जमीन कब्जाने, साजिश और संदिग्ध मृत्यु से जुड़ा मामला सामने आया है। पीड़िता नंदिका देवी का आरोप है कि एमएलसी की पत्नी अंजू पांडे ने साजिशन निर्माणाधीन रामनारायण गर्ल्स डिग्री कॉलेज पर अवैध कब्जा कर लिया।

पीड़िता के अनुसार यह भूमि उनके पति स्व. हीरालाल शर्मा ने शिक्षा समिति को दान दी थी, जिस पर 2013 से कॉलेज का निर्माण चल रहा था और विधायक निधि भी स्वीकृत हुई थी। आरोप है कि 2019 में दबाव बनाकर तीन वर्ष का एग्रीमेंट कराया गया, जिसकी मियाद 2022 में खत्म हो चुकी है, बावजूद इसके कब्जा आज तक नहीं छोड़ा गया।

मामले को और गंभीर बनाते हुए नंदिका देवी ने अपने पति की 24 दिसंबर 2022 को संदिग्ध मृत्यु का जिक्र किया है। आरोप है कि आशा देवी नामक महिला ने प्रेमजाल, फर्जी दस्तावेज और बैंक खातों से धन निकासी के जरिए संपति हड़पी। पीड़िता का दावा है कि आशा देवी, अंजू पांडे और एमएलसी हरिओम पांडे के बीच करीबी संबंध हैं और यह सब सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है। पीड़िता ने पुनः जिलाधिकारी अम्बेडकर नगर से निष्पक्ष जांच और कॉलेज को कब्जा-मुक्त कराने की मांग की है।

20 हजार से अधिक रजिस्ट्री शुल्क अब केवल ऑनलाइन, नकद लेनदेन पर लगेगी रोक

रजिस्ट्री और आवास योजनाओं में योगी सरकार के बड़े फैसले

» सैनिकों को फ्लैट बुकिंग में बड़ी राहत, आवास विकास परिषद देगी 20 प्रतिशत तक छूट

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जमीन और मकान की रजिस्ट्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और डिजिटल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। अब 20 हजार रुपये से अधिक की रजिस्ट्री फीस अनिवार्य रूप से ऑनलाइन जमा करानी होगी। महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। सरकार का उद्देश्य रजिस्ट्री प्रक्रिया में नकद लेनदेन को कम करना, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना और आम नागरिकों को अधिक सहूलियत देना है।

नई व्यवस्था सोमवार से लागू हो चुकी है। पहले चरण में आजमगढ़, बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, सीतापुर, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, बुलंदशहर, बरेली, अमरोहा, कानपुर नगर, फतेहपुर, देवरिया, चित्रकूट, बागपत, कासगंज, एटा, रामपुर, इटावा, महोबा, हरदोई, बस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर, कौशांबी, भदोही, महाराजगंज, बहराइच और मऊ जिलों में यह व्यवस्था लागू की गई है। महानिरीक्षक निबंधन ने सभी रजिस्ट्री कार्यालयों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ऑनलाइन भुगतान से रजिस्ट्री कार्यालयों में भीड़ कम होगी और प्रक्रिया अधिक तेज व पारदर्शी बनेगी।इसी बीच योगी सरकार ने नववर्ष पर सशस्त्र सेनाओं और अर्धसैनिक बलों के सेवारत व सेवानिवृत्त कार्मिकों को बड़ी राहत दी है। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद ने 'पहले आओ-पहले पाओ' योजना के तहत फ्लैट बुकिंग पर उन्हें अतिरिक्त छूट देने का फैसला किया है। परिषद की 274वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार अब सैनिकों को फ्लैट बुकिंग पर अधिकतम 20 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। यह सुविधा परिषद के पोर्टल पर ऑनलाइन मोड में लागू कर दी गई है। वर्तमान में लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद और आगरा में रेडी टू मूव फ्लैट्स का आवंटन किया जा रहा है। आम नागरिकों को जहां एकमुश्त भुगतान पर 15 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है, वहीं सशस्त्र और अर्धसैनिक बलों के कार्मिकों को 60 दिनों के भीतर पूर्ण भुगतान पर 20 प्रतिशत, 61 से 90 दिनों में भुगतान पर 15 प्रतिशत और 91 से 120 दिनों में भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस योजना की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

जनसैलाब के भरोसे भाजपा फिर पूर्ण बहुमत की ओर

रामनगरी से 2027 की रणभेरी

» प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का 140 किमी का शक्ति-प्रदर्शन रोड शो

» अयोध्या में राम जी के आशीर्वाद से दिया संगठन को साधने का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अयोध्या की धरती से 2027 के विधानसभा चुनाव का स्पष्ट राजनीतिक संकेत दे दिया। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों और कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बल पर भाजपा एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। स्वागत में उमड़े जनसैलाब का 卐कर्ज卐 भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में उतारेगी। अयोध्या जिले में प्रवेश के बाद कूढ़ा सादात अंबेडकर पार्क में पहली सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित संगठन है, जहां एक साधारण कार्यकर्ता भी केंद्रीय नेतृत्व के विश्वास से प्रदेश अध्यक्ष बन सकता है। उन्होंने कहा कि पीडीए का स्वरूप बार-बार बदलता है, लेकिन भाजपा का आधार कार्यकर्ता और राष्ट्रवाद अडिग है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लेने आए हैं और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा सौंपे गए दायित्व को सबको साथ लेकर निभाएंगे। उन्होंने विधायक रामचंद्र यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनता का उन पर भरोसा इसलिए है क्योंकि वे घटना-दुर्घटना में पुलिस से पहले मौके पर पहुंचते हैं।

लखनऊ से सांस्कृतिक राजधानी अयोध्या तक लगभग 140 किलोमीटर का रोड शो भाजपा की संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन बना। वाहनों का लंबा काफिला, नारों की गूंज और जगह-जगह पुष्पवर्षा ने यह संकेत दिया कि आठ साल की सत्ता के बाद भी भाजपा की सियासी ताकत बरकरार है। अयोध्या में वंदे मातरम, स्वस्तिवाचन, शंखनाद और जय सियाराम के उद्घोष के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत हुआ। बुलडोजर व जेसीबी से पुष्पवर्षा आकर्षण का केंद्र रही।जिले की सीमा रामसनेही घाट से लेकर अयोध्या धाम के श्रृंगार हाट तक तय 28 स्वागत स्थलों के अलावा दर्जनों स्थानों पर अभिनंदन हुआ। 51 किलो की मालाएं, स्मृति-चिह्न, घंटा-घड़ियाल और शंखध्वनि से वातावरण उत्सवमय रहा।

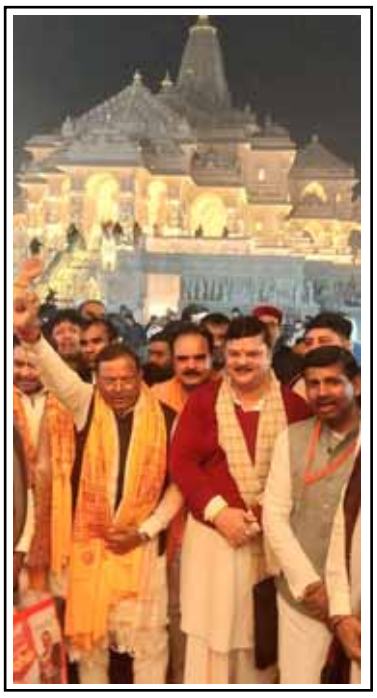

कहां किसने किया स्वागत

» रामसनेही घाट- पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विधायक रामचंद्र यादव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह

» सहादतगंज ब्रिज- विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव

» कांटा चौराहा- पूर्व सांसद विनय कटियार

» रौनाही टोल- विधायक मिल्कीपुर चंद्रभानु पासवान

» उदय धर्म कांटा/कोटसराय- विधायक गोसाईगंज अभय सिंह

» त्रिमूर्ति होटल- केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, सांसद प्रतीक भूषण सिंह

» निषाद राज चौराहा- पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय

» श्रीराम अस्पताल-पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र

» हनुमानगढ़ी तिराहा-महापौर गिरीश पति त्रिपाठी

कई जगह लगा जाम

रोड शो के दौरान कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। हाईवे की बायीं लेन पर स्वागत मंचों और बेतरतीब वाहन पार्किंग से यातायात प्रभावित हुआ
हनुमानगढ़ीङ्कसहादतगंज से जज कॉलोनी मार्ग पर लोगों को खासा असुविधा झेलनी पड़ी। इस दौरान हजारों की भीड़ के बीच जेबकतरों ने कई लोगों के करीब तीन लाख रुपये उड़ा लिए।

हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमले को भारत सरकार ने एक चिंताजनक पैटर्न बताया

बांग्लादेश में एक और हिन्दू की हत्या

देश में शांति-सुरक्षा बनी बड़ी चिंता

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

ढाका। बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस क्रम में 11 जनवरी की रात बांग्लादेश के फेनी जिले के दागनभुइयां इलाके में एक ऑटो-रिक्शा चालक 29 वर्षीय समीर कुमार दास को पहले बेरहमी से पीटा और फिर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। उसका रिक्शा भी ले जाया गया। पुलिस ने शव अस्पताल के पास पाया और जांच शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक किसी गिरफ्तारी की खबर नहीं आई।

समीर कुमार दास की हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते संकट को फिर उजागर करती है। इस घटना के साथ पिछले कुछ हफ्तों में कम-से-कम 6 से 12 हिंदू नागरिकों की हत्या दर्ज की गई है, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा पर गंभीर चिंता जताई जा रही है।

बांग्लादेश सरकार का कहना है कि इन मामलों को सामान्य अपराध के रूप में देखा जा रहा है और इसका कोई सांप्रदायिक नजरिया नहीं है, लेकिन विपक्ष और आलोचकों का कहना है कि अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है, इसीलिए और सुरक्षा-कदमों की जरूरत है। हाल की घटनाओं की ख़बर समझदार तरीके से, शांति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य रखती है, ताकि सभी समुदायों को समान सुरक्षा और सम्मान मिले। बांग्लादेश में रहने वाले हिन्दुओं ने सामाजिक सहयोग, सुरक्षा प्रबंधन और नियम-व्यवस्था को मजबूत करने की मांग उठाई है। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमले पर भारत सरकार ने भी चिंता जताई है और इन घटनाओं को एक चिंताजनक पैटर्न बताया है, जिसमें अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। भारतीय राजनीतिक दलों, संगठनों और समाजिक समूहों ने भी इस मुद्दे को उठाया है और न्याय, सुरक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान देने की मांग की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या की प्रमुख घटनाएं

- 18 दिसंबर 2025 – दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला
- 31 दिसंबर 2025 – व्यापारी खोकन चंद्र दास को जिंदा जलाया गया
- 5 जनवरी 2026 – किराना दुकानदार मणि चक्रवर्ती की पत्थरों मार कर हत्या
- 6 जनवरी 2026 – पत्रकार/व्यवसायी राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या

मृतक समीर कुमार दास की फाइल फोटो

सुप्रीम कोर्ट सख्त

कुत्ते के काटने पर राज्य सरकार को देना होगा भारी मुआवजा

अदालत ने कहा कि अधिकारियों की निष्क्रियता से समस्या और बढ़ गई

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज आवारा कुत्तों से बढ़ती घटनाओं को लेकर केंद्र और राज्यों को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति, विशेषकर बच्चे या बुजुर्ग, कुत्ते के काटने से घायल या उसकी मौत होती है, तो राज्य सरकारों को भारी-भरकम मुआवजा देना पड़ेगा। अदालत ने कहा कि अधिकारियों की निष्क्रियता से समस्या और बढ़ गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि ऐसी घटनाओं के लिए राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा और मुआवजा देना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि कुत्तों को खाना खिलाने वाले लोगों पर भी जवाबदेही तय की जाएगी। अगर वे आवारा कुत्तों को सार्वजनिक जगहों पर रोकते या नियंत्रित करने में कोई जिम्मेदारी नहीं लेते, तो उन पर भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां

- अदालत ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें ब्रष्ट नियमों का ठीक-ठीक पालन नहीं कर रही हैं, जिसके कारण आवारा कुत्तों की संख्या और काटने की घटनाएँ बढ़ रही हैं।
- कोर्ट ने प्रश्न पूछा कि अगर नौ साल के बच्चे को कुत्ते ने काटा, तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा? सरकारों और प्रसारित नियमों पर कठोर सवाल उठाए।
- अदालत ने डॉग फीडर्स से कहा कि यदि वे वास्तव में कुत्तों की भलाई चाहते हैं तो उन्हें उन्हें अपने घर पर रखना चाहिए न कि सार्वजनिक स्थानों पर घूमने देना चाहिए।

आवारा कुत्तों पर पहले के आदेश

यह पहला मामला नहीं है जहाँ सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर दिशानिर्देश दिए हैं। पिछले आदेशों में अदालत ने आवारा कुत्तों पर रोक, नसबंदी और शेल्टर निर्माण के निर्देश दिए थे। सरकारों को ब्रष्ट नियमों का पालन करने और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए फटकार लगाई थी। इन आदेशों का लक्ष्य सार्वजनिक सुरक्षा के साथ-साथ जानवरों की भलाई और संवेदनशील नियंत्रण को संतुलित करना है।

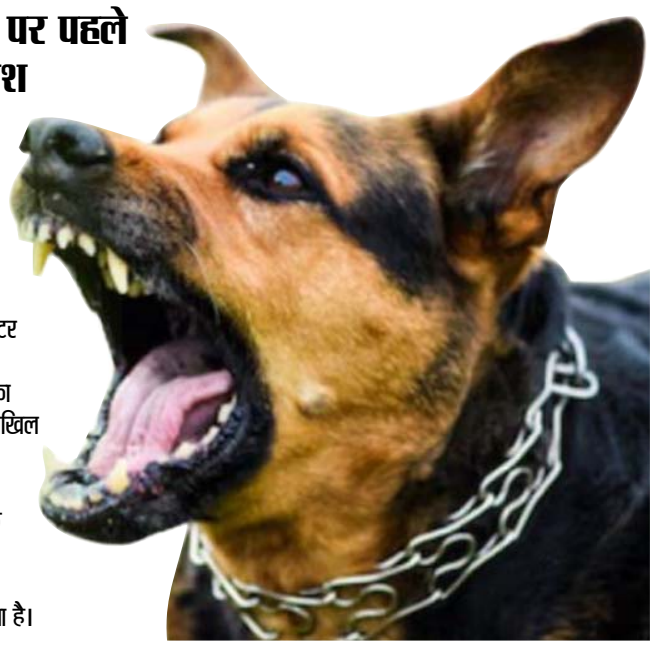

ईरान प्रोटेस्ट में पहली फांसी की तैयारी

खामेनेई के खिलाफ आवाज उठाने वाले को सजा-ए-मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

➪ एंटी-खामेनेई प्रदर्शनों से जुड़ा मामला, 8 जनवरी को कराज से हुई थी गिरफ्तारी; देशव्यापी आंदोलन पर दमन तेज

ईरान में सरकार विरोधी और एंटी-खामेनेई प्रदर्शनों के बीच दमन की कार्रवाई और सख्त होती जा रही है। देश में जारी व्यापक जनआंदोलन से जुड़े एक मामले में 26 वर्षीय इरफान सुल्तानी को फांसी देने की तैयारी की खबर सामने आई है। इसे मौजूदा विरोध प्रदर्शनों के दौरान दी जाने वाली पहली फांसी बताया जा रहा है, जिससे ईरान के भीतर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता और आक्रोश बढ़ गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इरफान सुल्तानी को 8 जनवरी को तेहरान के पास कराज शहर में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगाए। गिरफ्तारी के बाद उस पर गंभीर आरोप लगाए गए और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया के तहत उसे सजा-ए-मौत सुनाए जाने की सूचना है। बताया जा रहा है कि बुधवार को उसकी फांसी तय की गई है।

मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए सरकार न्यायिक संस्थाओं का सहारा लेकर कठोर कदम उठा रही है। उनका आरोप है कि आरोपियों को निष्पक्ष सुनवाई और बचाव का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा। इरफान सुल्तानी का मामला भी इसी श्रेणी में बताया जा रहा है, जहां तेजी से फैसला लेकर भय का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है।

वहीं, ईरानी प्रशासन का दावा है कि देश की सुरक्षा और व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है। सरकार समर्थक वर्ग इस कदम को कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई बता रहा है, जबकि विरोधी इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला मान रहे हैं।

इरफान सुल्तानी की संभावित फांसी को लेकर सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने ईरान से संयम बरतने और सजा पर रोक लगाने की अपील की है। जानकारों का मानना है कि अगर यह फांसी होती है तो यह न सिर्फ आंदोलन को और भड़का सकती है, बल्कि ईरान की वैश्विक छवि पर भी गहरा असर डाल सकती है।